Forgetting Curve. or Forgetting a passive process?

Ebbinghaus ने विस्मरण को एक निष्क्रिय माना है। उन्होंने कहा कि सीखे गये विषय के स्मृति चिह्न अपने आप समय बीतने के साथ-साथ क्षीण होते जाते हैं और हम उस विषय को भूल जाते हैं। किसी विषय को सीखने तथा प्रत्यावहन करने के बीच अंतराल जैसे-जैसे बढ़ता जाता है, विस्मरण की मात्रा बढ़ती जाती है। Ebbinghaus ने अपने इस विचार को सिद्ध करने के लिये निरर्थक पदों का आविष्कार किया। उन्होंने कहा कि निरर्थक पदों की कठिनाई सभी व्यक्तियों के लिये समान होती है क्योंकि इनपर पूर्व-साहचर्य, पूर्व अनुभवों, पूर्व प्रतिक्रियाओं आदि का प्रभाव नहीं पड़ता इसलिये निरर्थक पदों को सीखने की सामग्री के रूप में व्यवहार करने से स्मरण एवं विस्मरण के सही स्वरूप की जानकारी संभव होती है। उन्होंने 2300 निरर्थक पदों का निर्माण किया। निरर्थक पदों के निर्माण की दो विधियाँ हैं जिन्हें CVC और CCC विधियाँ कहते हैं। पहली विधि में तीन अक्षर होते हैं, जिनमें किनारे के दो अक्षर व्यंजन और बीच में स्वर होते हैं। जैसे- XOY, JIR, DOR इत्यादि। दूसरी विधि में तीनों अक्षर व्यंजन होते हैं। जैसे- XZM, PWR आदि। ऐसे पदों का कोई अर्थ नहीं होता है। निरर्थक-पदों को बनाते समय यह भी ध्यान रखा जाता है कि उसका संबंध किसी सार्थक शब्द से न हो। जैसे- BOK एक निरर्थक शब्द है जिसका साहचर्य Book के साथ आसानी से स्थापित हो सकता है अतः ऐसे निरर्थक पदों का निर्माण यथासंभव नहीं

Scanned with CamScanner

किया जाना चाहिए। Ebbinghaus ने retention और forgetting के स्वरूप को देखने के लिए 1200 से अधिक निरर्थक पदों के तरह-तरह की सूचियों को क्रमिक याद किया और भिन्न-भिन्न धारणा-अन्तरालों के बाद धारणा की जाँच पुनः शिक्षण विधि के द्वारा की। उनके द्वारा प्राप्त आकड़े निम्नलिखित है :-

Intervals	% of mean Saving	amount of forgett
1/3 घंटा	58.2	41.8
1 "	44.2	55.8
8-9 "	35.8	64.2
24 "	33.7	66.3
2 दिन	27.8	72.2
6 "	25.4	74.6
31 "	21.2	78.9

प्राप्त आँकड़ों के आधार पर एक Curve का निर्माण किया जिससे Ebbinghaus का विस्मरण वक्र कहते हैं।

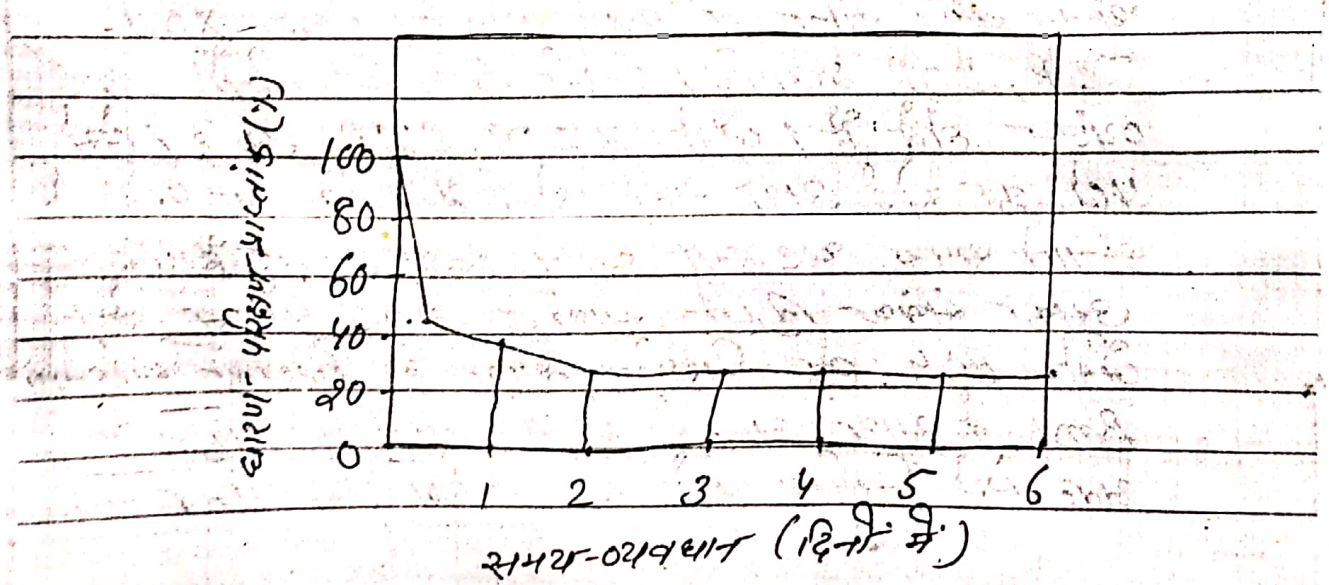

इस वक्र के आधार पर Ebbinghaus ने विस्मरण के स्वरूप के संबंध में कई बातों का उल्लेख किया।
(a) विस्मरण की मात्रा बढ़ते हुए अंतराल में बढ़ती जाती है जैसे-जैसे अंतराल लम्बा होता जाता है धारणा घटती जाती है विस्मरण बढ़ता जाता है। आधार रेखा की ओर गिरती हुई धारणा रेखा से यह बात स्पष्ट होती है।
(b) आरम्भ में विस्मरण की गति काफी तीव्र होती है। इसलिये धारणा रेखा शुरू में बड़ी तेजी के साथ आधार रेखा की ओर गिरती हुई नजर आती है।
(c) बाद में विस्मरण की गति मन्द हो जाती है। ऊपर के आँकड़ों से पता चलता है कि दूसरे दिन लगभग 72% विस्मरण हुआ जबकि 31 दिन बाद 79% विस्मरण हुआ। इन दोनों अंतराल के बीच केवल 7% विस्मरण हुआ। दूसरी ओर 20 मिनट तथा दो दिनों के बीच लगभग 54% विस्मरण हुआ।
(d) विस्मरण कभी भी 100% नहीं होता। दूसरे शब्दों में सीखे गए विषय की धारणा कुछ-न-कुछ रह जाती है। इसलिये धारणा रेखा आधार रेखा से सटी हुई नहीं है।

Ebbinghaus विस्मरण वक्र की सार्थकता सौ साल के बाद भी कायम है। अध्ययन से इस सामान्य विस्मरण वक्र की सार्थकता प्रमाणित होती है। Stirling ने भी अपने अध्ययन के आधार पर इसी तरह के विस्मरण वक्र का उल्लेख किया था।